महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे

कृतिपुस्तिका

इयत्ता - १० वी

विषय - हिंदी - (द्‌वितीय भाषा : पूर्ण) लोकभारती

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे

बालचित्रवाणी शेजारी, भांबुर्डा, पुणे - ४११००४

प्रस्तावना

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे द्‌वारा गत शैक्षणिक वर्ष 2015-16 से कक्षा नौंवी के भाषा विषयों की परीक्षा पद्‌धति में बदलाव किया गया है। प्रश्नपत्रिका के स्थान पर कृतिपत्रिका का आयोजन किया गया है। इसी के आधार पर शैक्षणिक वर्ष 2016-17 में कक्षा दसवीं के भाषा विषयों की परीक्षा पद्‌धति में कृतिपत्रिका का आयोजन किया गया है। कक्षा नौवीं के सफलतापूर्वक प्रयोग के कारण इस योजना को कक्षा दसवीं में लागू किया गया है।

हिंदी भाषा केवल एक विषय न होकर 'भाषा' के रुप में सिखाई जाए; साथ ही यह शिक्षा आनंददायी हो ऐसी अपेक्षा रखकर यह कृतिपत्रिका और कृतिपुस्तिका बनाई गई है। पारंपरिक परीक्षा पद्‌धति की प्रश्नपत्रिका अब कृतिपत्रिका में परिवर्तित हो रहीं है। स्वाध्याय के स्थान पर विविध कृतियों का समावेश किया गया है। श्रवण, वाचन, संभाषण और लेखन के साथ ही अभिव्यक्ति कौशलों को बढ़ावा देने वाली यह कृतिपत्रिका और कृतिपुस्तिका है। छात्रों का कृतियुक्त सहभाग इसमें अपेक्षित है, जिससे छात्रों के सर्वांगिण विकास का उद्‌देश्य सफल होगा। गद्‌य, पद्‌य, पूरक पठन, व्याकरण और रचना विभाग के अंतर्गत स्वतंत्र रुप से विविध कृतियों का सफल आयोजन किया गया है। जिसमें केवल कृतियाँ और लेखन कार्य अपेक्षित है। पूर्ववर्ती प्रश्नपत्र को सुलझाते वक्त पारंपरिक तरीके से छात्र लिखते थे अब वे कृतियों के साथ तथा अधिक कुशलता से उत्तर लिखेंगे। छात्रों के विचार स्वमत अभिव्यक्ति जैसे कृति द्‌वारा प्रकट होंगे साथ ही व्याकरण तथा शब्दसंपदा की कृतियों द्‌वारा छात्रों का भाषाभ्यास भी अधिक सूक्ष्मता से होगा। व्याकरण की कृतियों के स्वरुप में अधिक बदलाव नहीं किए गए हैं। अन्य कौशलों का समावेश भी किया गया हैं। जिसमें छात्र अपने विचार व्यक्त करत सकते हैं।

यह कृतिपत्रिका और कृतिपुस्तिका केवल नमूने के तौर पर प्रस्तुत की गई है। अध्यापक तथा छात्र इस कृतिकार्य में और भी नई कृतियाँ और विविधता ला सकते हैं। नई मूल्यांकन पद्‌धति के कारण अध्यापकों को भी नई-नई अध्यापन पद्‌धतियों का स्वीकार कर अपना अध्यापन अधिक आनंददायी करने के लिए प्रेरणा मिलेगी। छात्रों को अपने इच्छित उद्‌दिष्ट की कार्यपुर्ती में अध्यापक सफल मार्गदर्शक तथा प्रेरक भी बनेंगे।

इस प्रकार प्रस्तुत कृतिपत्रिका और कृतिपुस्तिका श्रवण, वाचन, लेखन और संभाषण इन भाषा कौशलों को अधिक व्यापक स्थान देने हेतु महत्त्वपूर्ण मानी जाएगी। पाठ्यपुस्तक में परिवर्तन

न करते हुए उसी के आधार पर विविध कृतियों से युक्त कृतिपत्रिका और कृतिपुस्तिका का सफल आयोजन किया गया है । ज्ञानरचनावाद की सहायता से छात्रकेंद्रित कृतियुक्त स्वाध्याय इसमें समाविष्ट किए गए हैं । जिससे साहित्य तथा भाषा के विविध पहलुओं का परिचय और विकास होगा। भाषिक दृष्टि से संपन्न छात्र का निर्माण तथा छात्रों की उच्च बोधात्मक क्षमता का विकास भी होगा।

कक्षा नौवीं प्रथम भाषा कुमारभारती, कृतिपुस्तिका में **'कृतिपत्रिका तथा कृतिपुस्तिका के संदर्भ में'** शीर्षक के अंतर्गत सारी बातें स्पष्ट की गईं हैं । कृतिपत्रिका निर्मिति के कारण उसकी विशेषता और आवश्यकता, नई – पुरानी मूल्यांकन पद्धति में होने वाला अंतर, संभाव्य आशकाएँ और समाधान, अध्यापक और छात्रों की भूमिका आदि महत्त्वपूर्ण बातों का विस्तारपूर्वक स्पष्टीकरण इसमें दिया गया है । इसे ही आधारभूत मानकर यह मंतव्य प्रकट किया गया है । एक बात यहाँ स्पष्ट करते हैं कि, कक्षा नौवीं की कृतिपत्रिका और कृतिपुस्तिका के सफलतापूर्वक आयोजन के बाद इस में कुछ सुधार किए गए हैं । विविध निकषों के आधार पर मूल्यांकन की योजना बनाई गई है । अध्यापक तथा छात्रों को इसका जरुर लाभ होगा । कृतिपुस्तिका में समाविष्ट कृतियों के विविध प्रकारों के आधार पर अध्यापक इसमें अधिक नविनता ला सकेंगे इस पर पूरा विश्वास हैं । अपने उद्देशों की ओर सफलतापूर्वक पहुँचने के लिए सेतु का कार्य यह कृतिपत्रिका और कृतिपुस्तिका करेगी ऐसी आशा हैं । आशा है कि अध्यापक, छात्र तथा अभिभावक आदि इस कृतिपत्रिका और कृतिपुस्तिका से संबंधित सारे घटक इसका सहर्ष स्वागत करेंगे, और सफलतापूर्वक नियोजन की ओर एक कदम और बढ़ाएँगे ।

यह कृतिकार्य संपन्न करने के लिए मंडल के आदरणीय अध्यक्ष श्री. गंगाधर म्हमाणे जी, आदरणीय सचिव श्री. कृष्णकुमार पाटील जी तथा संशोधन अधिकारी आदरणीय श्री. गोवर्धन सोनवणे जी आदि का सक्रिय मार्गदर्शन तथा सहयोग प्राप्त हुआ । हिंदी अध्ययन मंडल इन सबके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हैं ।

- डॉ. छाया पाटील
निमंत्रक
हिंदी विषय अध्ययन मंडल तथा
संपादन समिति सदस्य
महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे

अनुक्रमदर्शिका

		पृष्ठ क्र.
1.	प्रस्तावना	03
2.	कृतिपत्रिका प्रारुप	06
3.	कृतिपत्रिका	09-17
4.	कृतिपुस्तिका	19-47

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे

विषय – हिंदी (द्वितीय भाषा : पूर्ण)

कृतिपत्रिका प्रारूप **लोकभारती** **अंक – 80**

कक्षा – दसवीं **समय 3 घंटे**

विभाग 1 – गद्य **20 अंक**

(वाचन, आकलन, व्याकरण तथा अभिव्यक्ति)

प्रश्न 1 क)	**पठित परिच्छेद (लगभग 100 से 120 शब्द)**		**8**
	1)	आकलन कृति (4 घटक, 1/2अंक प्रत्येक के लिए) परिच्छेद	2
	2)	आकलन कृति (4 घटक, 1/2अंक प्रत्येक के लिए)	2
	3)	व्याकरण (2 घटक 1 अंक प्रत्येक के लिए) अथवा शब्दसंपदा (4 घटक, 1/2,अंक प्रत्येक के लिए)	2
	4)	अभिव्यक्ति (लगभग 8 से 10 वाक्य)	2
प्रश्न 1 ख)	**पठित परिच्छेद (लगभग 100 से 120 शब्द)**		**8**
	1)	आकलन कृति (4 घटक, 1/2अंक प्रत्येक के लिए) परिच्छेद	2
	2)	आकलन कृति (4 घटक, 1/2,अंक प्रत्येक के लिए)	2
	3)	व्याकरण (2 घटक, 1 अंक प्रत्येक के लिए) अथवा शब्दसंपदा (4 घटक, 1/2अंक प्रत्येक के लिए)	2
	4)	अभिव्यक्ति (लगभग 8 से 10 वाक्य)	2
प्रश्न 1 ग)	**अपठित परिच्छेद (लगभग 60 से 80 शब्द)**		**4**
	1)	आकलन कृति (4 घटक, 1/2अंक प्रत्येक के लिए) परिच्छेद	2
	2)	अभिव्यक्ति (लगभग 8 से 10 वाक्य)	2

विभाग 2 – पद्य **16 अंक**

प्रश्न 2 च)	**पठित पद्यांश (लगभग 6 से 8 पंक्तियाँ)**		**8**
	1)	आकलन कृति (2 घटक, 1 अंक प्रत्येक के लिए) पद्यांश	2
	2)	आकलन कृति (2 घटक, 1 अंक प्रत्येक के लिए)	2
	3)	शब्दसंपदा (4 घटक, 1/2 अंक प्रत्येक के लिए)	2
	4)	भावार्थ	2

प्रश्न 2 छ)	**पठित पद्यांश (लगभग 6 से 8 पंक्तियाँ)**	**8**
1)	आकलन कृति (2 घटक, 1 अंक प्रत्येक के लिए)	2
	पद्यांश	
2)	आकलन कृति (2 घटक, 1 अंक प्रत्येक के लिए)	2
3)	शब्दसंपदा (4 घटक 1/2 अंक प्रत्येक के लिए)	2
4)	भावार्थ	2

विभाग 3 – पूरक पठन — 4 अंक

प्रश्न 3)	**पठित परिच्छेद (लगभग 80 से 120 शब्द)**	**4**
1)	आकलन कृति (4 घटक 1/2 अंक प्रत्येक के लिए)	2
	परिच्छेद	
2)	अभिव्यक्ति (लगभग 6 से 8 वाक्य)	2

विभाग 4 – व्याकरण — 10 अंक

प्रश्न 4)		**10**
1)	शब्दभेद (2 घटक, 1/2 अंक प्रत्येक के लिए)	1
2)	वाक्य शुद्धिकरण (2 घटक, 1/2 अंक प्रत्येक के लिए)	1
3)	सहायक क्रिया (2 घटक, 1/2 अंक प्रत्येक के लिए)	1
4)	प्रेरणार्थक क्रिया (2 घटक, 1/2 अंक प्रत्येक के लिए)	1
5)	अव्यय (2 घटक, 1 अंक प्रत्येक के लिए)	2
6)	काल परिवर्तन (2 घटक, 1 अंक प्रत्येक के लिए)	2
7)	मुहावरे (2 घटक, 1 अंक प्रत्येक के लिए)	2

सूचनाएँ कृति 4.1में अव्यय के अलावा अन्य शब्दभेद अपेक्षित हैं कारण कृति 4.5 में स्वतंत्र रुप से 'अव्यय' का समावेश किया गया है । कृति 4.3 में सहायक क्रिया पहचानना तथा प्रयोग करना दोनों में से किसी एक पर ही कृति पूछी जाएगी । कृति 4.4 में प्रेरणार्थक क्रिया के रुप लिखना तथा पहचानना दोनों में से किसी एक पर ही कृति पूछी जाएगी।

विभाग 5 – रचना विभाग — 30 अंक

प्रश्न 5)		**15**
1)	पत्रलेखन (व्यावसायिक/कार्यालयीन)	5
2)	कहानी लेखन (लगभग 80 से 100 शब्द)	5
3)	गद्य आकलन (परिच्छेद पर आधारित प्रश्न तैयार करना) (परिच्छेद लगभग 80 से 100 शब्द)	5

प्रश्न 6) **15**

1) प्रसंग-वर्णन (लगभग 60 से 80 शब्द) 5
2) विज्ञापन (लगभग 50 से 60 शब्द) 5
3) स्वमत (लगभग 60 से 80 शब्द) 5
4) निबंध (लगभग 80 से 100 शब्द) 5
(कक्षा 9 वीं के पाठ्‌यक्रम में निबंध के पाँच प्रकार दिए गए हैं, उन्हीं के अनुसार परीक्षा में दो प्रकार के निबंध पूछे जाएँगे । छात्रों को उन्हीं में से एक निबंध लिखना है ।)

(प्रश्न क्र. 6 में 5 अंक के 3 प्रश्न पूछने हैं, पर्याय नहीं देने हैं ।)

सूचना: **'शब्दसंपदा' कृति में अनेकार्थी शब्द, शब्दयुग्म, पर्यायवाची शब्द, समानार्थी शब्द, विरुद्‌धार्थी शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, कठिन शब्दों के अर्थ, लिंग, वचन, विरामचिह्न आदि पूछे जा सकते हैं।**

लोकभारती
अंकविभाजन

विभाग	विधा	अंक
1	गद्‌य	20
2	पद्‌य	16
3	पूरक पठन	04
4	व्याकरण	10
5	रचना विभाग	30
	कुल अंक	80

लिखित परीक्षा	80
मौखिकी	20

(मौखिकी में कोई भी परिवर्तन नहीं है ।)

(आवश्यकतानुसार प्रारूप में परिवर्तन करने का अधिकार अध्ययन मंडल का रहेगा ।)

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे

विषय – हिंदी (द्‌वितीय भाषा : पूर्ण)

कृतिपत्रिका	**लोकभारती**	अंक – 80
कक्षा – दसवीं		समय 3 घंटे

सूचना 1) स्वच्छ एवं शुद्‌ध लेखनकार्य अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्‌य **20 अंक**

प्रश्न 1 क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :– **8**

1) संजाल पूर्ण कीजिए :– 2

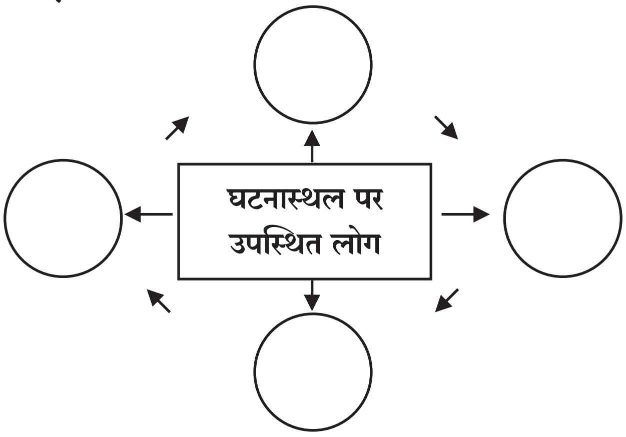

रामू की बहू पर खून सवार हो गया, न रहे बाँस न बजे बाँसुरी, रामू की बहू ने कबरी की हत्या पर कमर कस ली। रात भर उसे नींद न आई, किस दाँव से कबरी पर वार किया जाए कि जिंदा न बचे, यही पड़े-पड़े सोचती रही। सुबह हुई और वह देखती है कि कबरी देहरी पर बैठी बड़े प्रेम से देख रही है।

रामू की बहू ने कुछ सोचा, इसके बाद मुस्कराती हुई उठी। कबरी रामू की बहू के उठते ही खिसक गई। रामू की बहू एक कटोरा दूध कमरे के दरवाजे की देहरी पर रखकर चली गई। हाथ में पाटा लेकर वह लौटी तो देखती है कि कबरी दूध पर जुटी हुई है। मौका हाथ में आ गया, सारा बल लगाकर पाटा उसने बिल्ली पर पटक दिया। कबरी हिली न डुली, न चीखी न चिल्लाई, बस एकदम उलट गई।

आवाज जो हुई तो नौकरानी झाड़ू छोड़कर, मिसरानी रसोई छोड़कर और सास पूजा छोड़कर घटनास्थल पर उपस्थित हो गईं। रामू की बहू सिर झुकाए हुए अपराधिनी की भाँति बातें सुन रही है।

2) i) उपर्युक्त गद्‌यांश से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो :– 1

1) पाटा – ____________________

2) कबरी बिल्ली – ____________________

ii) विधानों के सामने सत्य/असत्य लिखिए :– 1

1) रामू की बहू ने कबरी की हत्या करने की योजना बनाई।

2) बहू के उठते ही कबरी बैठ गई।

3) i) **निम्नलिखित शब्दों के लिंग परिवर्तन कीजिए :–** 1

1) सास ________________

2) बहू ________________

ii) **मानक वर्तनी के अनुसार शब्द लिखिए।** 1

1) बासुरी ________________

2) हात ________________

4) 'पालतू जानवरों के प्रति हमें सौहार्दपूर्ण व्यवहार करना चाहिए।' इस संबंध में लगभग 8 **से** 10 **वाक्यों में अपने विचार लिखिए।** 2

1 **ख) परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–** **8**

1) उत्तर लिखिए :–

i) वाणी की दो विशेषताएँ 1

1) 2)

ii) **उत्तर लिखिए :–**

मनुष्य जीवन का समाधान इन पर निर्भर है – 1

1) 2)

वाणी ईश्वर द्वारा मनुष्य को दी गई बड़ी देन है। वह मनुष्य के चिंतन का फलित है और उसका साधन भी। चिंतन के बगैर वाणी और वाणी के बगैर चिंतन नहीं और दोनों के बगैर मनुष्य नहीं।

मनुष्य के जीवन का समाधान वाणी के संयम और उसके सदुपयोग पर निर्भर है। मनुष्य के सारे चिंतनशास्त्र वाणी पर आधारित है। दर्शनों का सारा प्रयास विचारों को वाणी में ठीक– से पेश करने के लिए रहा है। वाणी विचार का शरीर ही है। कोई खास विचार खास शब्द में ही समाता है इसलिए गंभीर चिंतन करने वाले निश्चित वाणी की खोज करते रहते हैं।

पतंजलि के बारे में कहते हैं कि उसने चित्तशुद्धि के लिए योगसूत्र लिखे, शरीरशुद्धि के लिए वैद्यक लिखा और वाक्शुद्धि के लिए व्याकरण महाभाष्य लिखा। ये तीनों चीजें लिखने वाला पतंजलि एक ही था या अलग–अलग इस ऐतिहासिक प्रश्न को हम अभी छोड़ दें परंतु महत्त्व की बात यह है कि व्याकरण का उद्देश्य वाणी की शुद्धि करना माना गया है।

2) उत्तर लिखिए :– 2

पतंजलि की रचनाएँ और उसके विषय :–

1) ________________________

2) ________________________

3) i) **रिक्त चौखट में उत्तर लिखिए :–** 1

जैसे	इतिहास	ऐतिहासिक
वैसे	भूगोल	
	समाज	

ii) **पहेली में से विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए :–** 1

दु	X	द्	X
X	अ	रु	ग
शु	X	ध	X
X	प	X	यो

सदुपयोग X.........
शुद्ध X ....

4) **'वाणी का महत्त्व' अपने शब्दों में 8 से 10 वाक्यों में लिखिए :–** 2

1 **ग) परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–** **4**

1) **उचित विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए :–** 1

i) सह्याद्रि भारत भूमि की...........

अ) पूर्व की रीढ़ है। ब) पश्चिम की रीढ़ है। क)उत्तर की रीढ़ है।

ii) सह्याद्रि की नदियाँ अपने ....

अ) माता का गौरव नहीं भूलती। ब) भाई का गौरव नहीं भूलती। क) पिता का गौरव नहीं भूलती।

कारण लिखिए। 1

i) लेखक का स्वयं को सह्यपुत्र कहलाना – ______________________

ii) पर्वतपुत्र का आनंदविभोर होना – ______________________

जिस तरह कृष्णा के किनारे सातारा में जन्म होने के कारण मैं अपने को कृष्णापुत्र कहलाता हूँ, उसी तरह सह्याद्रि की गोद में पला हुआ होने के कारण मैं अपने को सह्यपुत्र भी कहलाता हूँ। सह्याद्रि तो भारत भूमि की पश्चिम की रीढ़ है। खंभात से लेकर कन्याकुमारी तक जो पश्चिम सागर फैला हुआ है उसका स्वागत करने का, उसके साथ बातें करने का अधिकार सह्याद्रि का ही है और पश्चिम सागर भी हर साल ग्रीष्मकाल के बाद अपने लवण जल से मीठे बादल बनाकर सह्याद्रि का अभिषेक करता रहता है। प्रकृतिमाता का वह बड़ा वार्षिक महोत्सव है। सह्याद्रि के ऊँचे–ऊँचे शिखरों पर जब ये बादल बरसने लगते हैं तब हम पर्वतपुत्र आनंदविभोर हो जाते हैं और उन्मत्त होकर नाचने लगते हैं। सह्याद्रि की नदियाँ अपने पिता का गौरव कभी नहीं भूलतीं। पक्षपातरहित पूर्व और पश्चिम दोनों सागरों को अपनी श्रद्धांजलियाँ अर्पित करती रहती हैं।

2) **'पर्यावरण संतुलन में पर्वतों की भूमिका' 6 से 8 वाक्यों में अपने विचार स्पष्ट कीजिए।** 2

विभाग 2 – पद्य **16 अंक**

2 च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :– **8**

1) i) 1) ______________ — खिलौना न मिलने पर कृष्ण द्वारा की गई ज़िद — 2) ______________ 1

ii) **पद्यांश पर आधारित दो प्रश्न तैयार कीजिए :–** 1

1) ______________________________

2) ______________________________

> मैया मैं तो चंद खिलौना लैहौं।
> धौरी को पय पान न करिहौं, बेनी सिर न गुथैहौं ।
> मोतिन माल न धरिहौं उर पर झंगुली कंठ न लैहौं।
> जैहौ लोट अभी धरनी पर तेरी गोद न ऐहौं।
> लाल कहैहौं नंद बाबा को तेरो सुत न कहैहौं।
> कान लाय कछु कहत जसोदा दाउहिं नाहिं सुनैहौं।
> चंदा हूँ ते अति सुंदर तुझे नवल दुल्हैया ब्यैहौं।
> तेरी सौंह मेरी सुन मैया हौं अब ही ब्याहन जैहौं।।
> सूरदास सब सखा बराती नूतन मंगल गैहौं।

2) i) **सही शब्द चुनकर वाक्य फिर से लिखिए :–** 1

1) बालक कृष्ण माँ यशोदा से चंद /चाँदनी का खिलौना माँगता है। ______________

2) माता यशोदा कृष्ण को दुल्हा/ दुल्हन लाकर देने की बात कहती है। ______________

ii) **पद्यांश में प्रयुक्त शरीर के दो अंगों के नाम लिखिए :–** 1

1) ______________ 2) ______________

3) i) **शरीर के अंगों पर गढ़े गए मुहावरे लिखिए :–** 1

जैसे आँखें – आँखों में धूल झोंकना

वैसे कान – ______________

सिर – ______________

3) ii) **मानक हिंदी भाषानुसार कविता में प्रयुक्त क्रियाओं का अर्थ लिखिए :–** 1

जैसे – न करिहौं = नहीं करूँगा

वैसे – न कहैहौं = ____________

न ऐहौं = ____________

4) **पद्यांश का भावार्थ सरल हिंदी में लिखिए :–** 2

प्र 2- छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **8**

1) तुलना कीजिए :– 2

मनुष्य जीवन	झरना
1)	
2)	

यह जीवन क्या है ? निर्झर है, मस्ती ही इसका पानी है।
सुख–दुख के दोनों तीरों से, चल रहा राह मनमानी है।
कब फूटा गिरि के अंतर में, किस अंचल से उतरा नीचे ?
किस घाटी से बहकर आया, समतल में अपने को खींचे ?
निर्झर में गति है, यौवन है, वह आगे बढ़ता जाता है।
धुन सिर्फ है चलने की, अपनी मस्ती में गाता है।
बाधा के रोड़ों से लड़ता, वन के पेड़ों से टकराता।
बढ़ता चट्टानों पर चढ़ता, चलता यौवन से मदमाता।

2) झरने की दो विशेषताएँ लिखिए :– 2

i) ____________

ii) ____________

3) कविता में लय और संगीत निर्माण करनेवाले शब्दों की जोड़ियाँ लिखिए। 1

i)

ii) यह जीवन क्या है ? निर्झर है, मस्ती ही इसका पानी है। 1

पंक्ति में प्रयुक्त विरामचिह्न और उनके नाम लिखिए।

विरामचिह्न	नाम
1)	
2)	

4) पद्‍यांश की पहली चार पंक्तियों का सरल हिंदी में भावार्थ लिखिए। 2

विभाग 3 – पूरक पठन

04 अंक

1) **उत्तर लिखिए :–**

i) तुलसीदल का सेवन इन रोगों में लाभकारी है :– 1

1. ________ 2. ________

ii) तुलसी के पौधें पाए जानेवाले स्थान :– 1

1. ________ 2. ________

बहुत पहले से ही भारतीय लोग तुलसी के औषधीय महत्त्व को जानते रहे हैं। यह वातावरण की वायु शुद्‍ध रखती है और मच्छर, कीट-पतंगों आदि को दूर भगाती है। इसकी तेज सुगंध अनेक रोगों के कीटाणुओं को नष्ट कर देती है। खाँसी, जुकाम, गले की बीमारियों, मलेरिया आदि में उबले पानी या चाय के साथ इसका सेवन लाभकारी होता है। इसी लिए स्त्रियों द्‍वारा इसकी पूजा का आरंभ हुआ होगा। इसके औषधीय और लाभकारी महत्त्व के कारण ही स्त्रियाँ इसे कठड़े, कनस्तर, गमले, बगिया या घर-आँगन के कोने में उगाने लगी होंगी। सुबह उठकर नित्यकर्म से निवृत्त होकर इसका सिंचन और देखभाल करना ही शनै: शनै: पूजा बन गई। फिर लाभकारी वस्तु की पूजा तो भारत की परंपरा रही है। स्त्रियाँ चूँकि धार्मिक अधिक होती हैं इसलिए धीरे-धीरे तुलसी के बिरवे की पूजा-परिक्रमा करना, धूप-दीप, नैवेद्‍य, रोली व अक्षत चढ़ाना, तुलसी की शादी रचाना आदि अनेक बातें पूजा के अंतर्गत हो गई। कुछ लोग, जिनकी लड़कियाँ नहीं होती, तुलसी का विवाह रचाकर ही कन्यादान का पुण्य प्राप्त करते हैं। यदि माना कि इससे और कुछ न मिलता हो तो व्यस्त रहने के लिए धार्मिक और सामाजिक कर्म तो है ही यह। जो चीज मन को शांति दे, कितनी महान है वह चीज।

2) **'तुलसी के पौधों का संवर्धन; हमारी भूमिका' 6-8 वाक्यों में लिखिए।** 2

विभाग 4 – व्याकरण **10 अंक**

सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

1) i) **निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए :–** ½

प्राचीन

ii) **अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए :–** ½

वहाँ <u>कोई</u> नहीं था।

2) i) **निम्नलिखित वाक्य शुद्‌ध करके लिखिए :–** 1

मैनेजर से हिदायत दिया गया।

3) i) **सहायक क्रिया का वाक्य में प्रयोग कीजिए :–** ½

पड़ना–

ii) **सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए :–** ½

उन लोगों ने नदी का किनारा छोड़ दिया।

4) **प्रेरणार्थक क्रिया के रुप लिखिए :–** 1

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्‌वितीय प्रेरणार्थक
सीना	____________	____________

5) i) **अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए :–** 1

अचानक

ii) **अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए :–** 1

वाह! वाह! बड़ा आनंद है।

6) **कालपरिवर्तन किजिए :–** 2

राजकुमार हिरन का शिकार करता है ।

सामान्य भूतकाल – ____________________________

सामान्य भविष्यकाल – ____________________________

7) i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए :–** 1

चंपत होना –

ii) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिरसे लिखिए :–** 1

मनुष्य को हमेशा <u>बहुत सोच-समझकर बोलना</u> चाहिए।

(तौलकर बोलना, दबी जबान में कहना)

विभाग 5 – रचना विभाग

30 अंक

सूचना :– आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है :– **15**

1) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए :- 5

> शाहुनगरी, कोल्हापुर में भयंकर आवाज करनेवाले पटाखे, असमय फोड़े जाने के कारण वहाँ के निवासी त्रस्त हैं। इस संदर्भ में अमित/अमिता पाटील, स्वास्थ्य अधिकारी, कोल्हापुर को शिकायती पत्र लिखता/लिखती है ।

अथवा

> प्रगति बुक सेंटर, पुणे
>
> हिंदी की कुछ पुस्तकें तथा संदर्भ ग्रंथ
> 50% मूल्य में उपलब्ध
>
> 1) प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानियाँ
> 2) नीरज की पाती
> 3) हिंदी-अंग्रेजी शब्दकोश
> 4) हिंदी व्याकरण रचना …… आदि

उपर्युक्त विज्ञापन पढ़कर सिंधुदुर्ग से रवि/रविना सावंत विविध पुस्तकों की माँग करते हुए पत्र लिखता / लिखती है ।

2) **कहानी लेखन –** 5

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए।

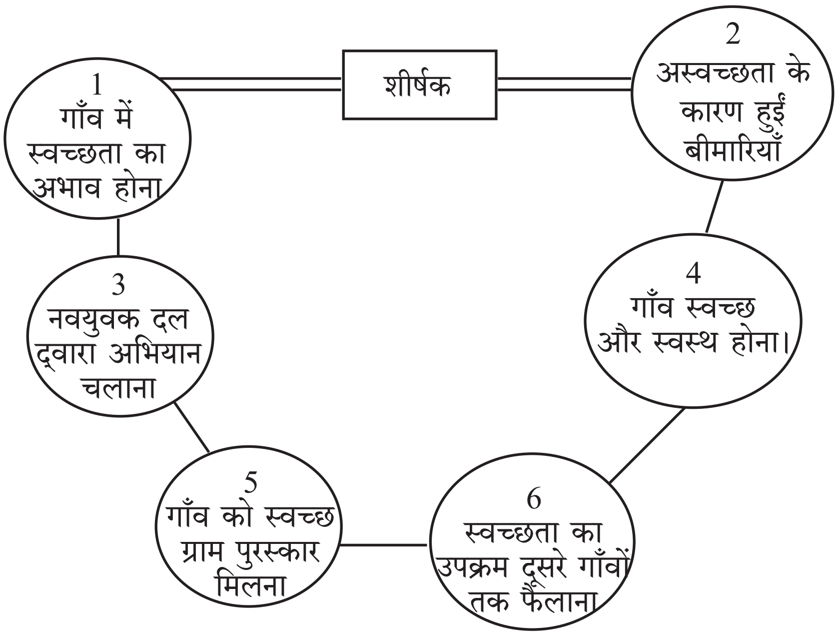

3) **निम्नलिखित गद्‌यांश पढ़कर पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक वाक्य में हो।** 5

शिक्षा मानव जीवन के विकास का प्रमुख आधार है। शिक्षाविहीन व्यक्ति पशु के समान जीवनयापन करता है। व्यक्ति में अच्छे संस्कार शिक्षा के माध्यम से ही आते हैं। शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, धार्मिक ज्ञान प्राप्त कर स्वयं तो अपना मार्ग बनाता ही है, साथ ही दूसरों का भी मार्गदर्शन करता है। शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक व्यक्ति का जन्मसिद्‌ध अधिकार है। नवीन पीढ़ी अथवा बालक एवं नवयुवक तो शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़ते रहे हैं। आवश्यकता है, प्रौढ़ों को शिक्षा प्रदान करने की, अथवा १४ वर्ष की आयु से अधिक वाले वे सभी व्यक्ति जो अशिक्षित हैं। अथवा हम कह सकते हैं कि वे सभी व्यक्ति समय से शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके और न कर पा रहे हैं। शिक्षा के इतने प्रचार व प्रसार हो जाने पर भी व्यक्ति अपने धन का सही उपयोग नहीं कर पाता और न ही भोला-भाला किसान अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त कर पाता है। आज भी वह साहूकार अथवा ब्याज किश्तों के द्‌वारा आसानी से ठग लिया जाता है। स्वतंत्रता से पूर्व व्यक्ति की स्थिति शिक्षा कें क्षेत्र में बहुत खराब थी।

प्र. 6 **15**

1) **प्रसंग लेखन (लगभग 60 से 80 शब्दों में)** 5

ट्रेन के सफर में एक वृद्‌धा अपनी सुंदर-सी पोटली में से कुछ निकाल-निकाल कर खिड़की से बाहर फेंक रही थी । मैंने कुतुहलवश उसे इस बारे में पूछा तो उसने मेरे सामने अपनी मुठ्ठी खोली, उसमें विविध प्रकार के बीज दिखाई दिए.......

2) **विज्ञापन लेखन : (लगभग 50 से 60 शब्दों में)** 5

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर विज्ञापन तैयार कीजिए :-

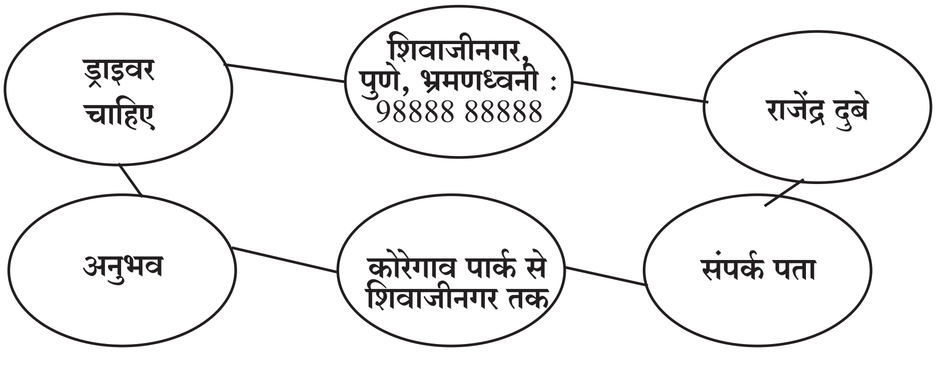

3) **स्वमत : (लगभग 60 से 80 शब्दों में)** 5

मेरे जन्मदिन के अवसर पर परिवार सहित हम अनाथाश्रम में मिठाइयाँ बाँटने के लिए गए थे । वहाँ के बच्चों को देखकर मेरे मन में विचार आए ....

4) **निबंध लेखन : (लगभग 80 से 100 शब्दों में)** 5

किसी एक विषयपर निबंध लिखिए :-

1) पुस्तक की आत्मकथा 2) यदि संगणक न होता...

सूचना 6.1) **प्रसंग लेखन** 6.2) **विज्ञापन** 6.3) **स्वमत** 6.4) **निबंध लेखन**
(चार में से कोई तीन कृतियाँ पूछनी हैं, पर्याय नहीं।)

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे

विषय – हिंदी (द्‌वितीय भाषा : पूर्ण)

कक्षा – दसवीं

लोकभारती – कृतिपुस्तिका

विभाग 1 – गद्‌य

1. प्रायश्चित

कृति 1. संजाल पूर्ण कीजिए :–

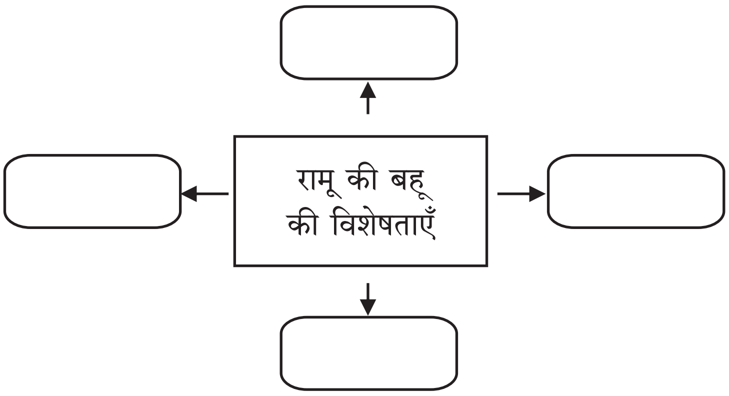

कृति 2. कटघरे में रखी हुई कबरी बिल्ली की मनपसंद चीजें :–

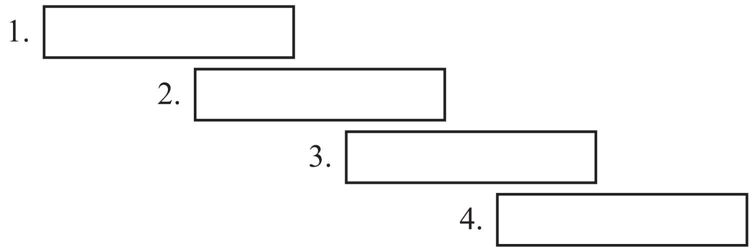

कृति 3. एक शब्द में उत्तर लिखिए :–

i) रामू की बहू द्‌वारा बिल्ली की हत्या करने के लिए उपयोग में लाया गया साधन ––––––––

कृति 4. आकृति पूर्ण कीजिए :–

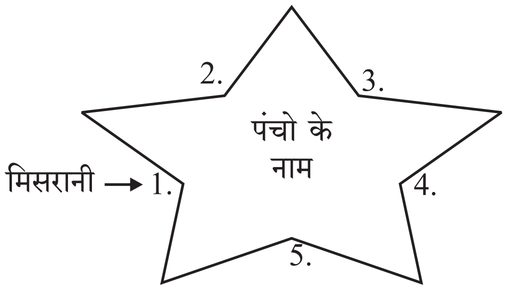

कृति 5. उत्तर लिखिए :- प्रायश्चित के लिए पंडित जी द्‌वारा सुझाए गए उपाय

1. 2.

कृति 6. गलत शब्दों पर X चिह्न लगाइए :-
बासुरी, बाँसुरी, बाँसूरी

कृति 7. कोष्टक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द भरकर वाक्य की पूर्ति कीजिए :- (की, कि)
पंडित जी ने पूछा,.......... आपने कार्य .... पूर्ति की।

कृति 8. समाज में प्रचलित अंधश्रद्‌धा के उदाहरण लिखिए :-

कृति 9. एक छात्र होने के नाते अंधश्रद्‌धा दूर करने के लिए आप की भूमिका लगभग 8 से 10 वाक्यों में लिखिए :-

2. शिकारी राजकुमार

कृति 10. संजाल पूर्ण कीजिए :-

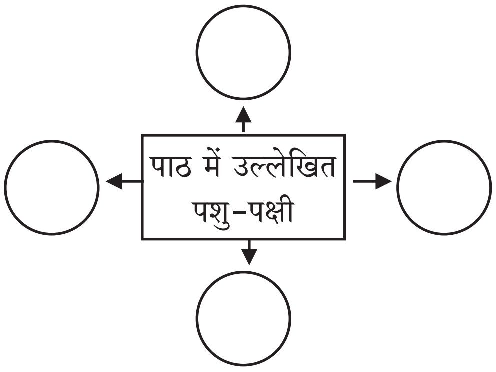

कृति 11. संज्ञा और विशेषणों के उचित जोड़ लगाकर लिखिए :-
राजकुमार, प्रासाद, शिकारी, वायु, विशाल, शीतल,

संज्ञा	**विशेषण**
जैसे, राजकुमार	शिकारी

कृति 12. अशुद्‌ध शब्द छाँटकर लिखिए :-
संपत्ति, सपत्ती, सपंति

कृति 13. लेखन में थोड़ा-सा अंतर होने से शब्दों के अर्थ बदलते हैं :-
जैसे, कहा - कहने के लिए , कहाँ - स्थान के लिए
वैसे, बहू - , बहु -

कृति 14. समानार्थी शब्द लिखिए :-

महीना = अचंभा =

कृति 15. पाठ पढ़कर जंगली जानवरों की रक्षा करने हेतु आपके मन में आए हुए विचार लगभग 8 से 10 वाक्यों में लिखिए :-

3. आनंद का क्षण

कृति 16. नाम लिखिए :- नाम

i. 'शेप ऑफ थिंग्स टू कम' के लेखक →

ii. इटली के प्रसिद्ध देशभक्त →

iii. अंग्रेजी के प्रसिद्ध लेखक →

कृति 17. पाठ में आए हुए दो प्राणियों के नाम :-

कृति 18. शब्दों के अर्थ लिखिए :-

i. असुर

ii. ससूर

कृति 19. अर्थ के सामने उचित मुहावरा लिखिए :-

अर्थ	मुहावरा
i. नाराजगी प्रकट करना –	
ii. लज्जित होना –	

कृति 20. अपने जीवन के किसी गुदगुदाने वाले प्रसंग को लगभग 8 से 10 वाक्यों में शब्दबद्ध कीजिए :-

4. वाणी का सदुपयोग

कृति 21. उत्तर लिखिए :- ईश्वरद्वारा प्राप्त विविध देन

i. ii.

कृति 22. उत्तर लिखिए :-

योगसूत्र लिखने वाला वैद्यक लिखने वाला व्याकरण लिखने वाला

कृति 23. पाठ में प्रयुक्त संस्कृत शब्दों के लिए मानक हिंदी प्रतिशब्द लिखिए :-

	संस्कृत शब्द	हिंदी शब्द
i	आसन	
ii	नेत्र	
iii	वाणी	
iv	मधुर	
v	सत्य	
vi	वद	

कृति 24. संजाल पूर्ण कीजिए :-

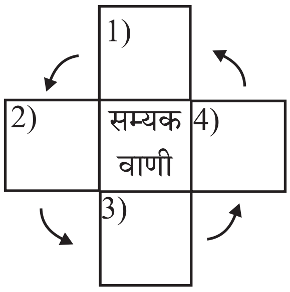

कृति 25. 'दान' शब्द के पहिले 'भू' शब्द जोड़ने से 'भूदान' शब्द बन जाता है ।
ऐसे ही 'दान' शब्द जोड़कर दो अर्थपूर्ण शब्द लिखिए ।

कृति 26. पतंजलि की जानकारी लिखिए :-

कृति 27. 'वाणी का महत्त्व' इस विषयपर आपके विचार लगभग 8 से 10 वाक्यों में लिखिए :-

5. वक्त के साथ दगाबाजी

कृति 28. उचित क्रम देकर लिखिए :-

1. गांधीजी तीर की तरह नहाने के कमरे की ओर चले गए ।
2. ठीक ग्यारह बजे बरामदे में आए ।
3. समस्या समझ गए ।
4. बाल्टी को दोनो हाथों से उठा लिया ।

कृति 29. समय के बारे में गांधीजी का कथन लिखिए :-

कृति 30. वचन परिवर्तन कीजिए :-

i. तीर ii. बाल्टी

कृति 31. शब्दों को शुद्ध रुप में लिखिए :–

i. हात – ii. हिन्दी – iii. अतीथी –

कृति 32. पाठ पढ़कर वक्त के संबंधी आपके बदले हुए विचारों को लगभग 8 से 10 से वाक्यों में लिखिए :–

6. पलाश

कृति 33. संजाल पूर्ण कीजिए :–

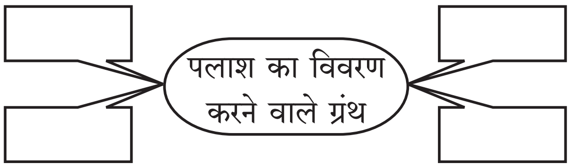

कृति 34. उत्तर लिखिए :–

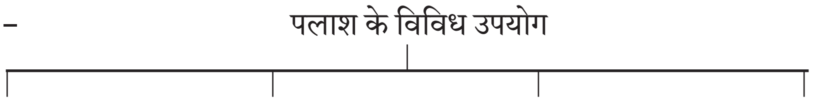

कृति 35. संजाल पूर्ण कीजिए :–

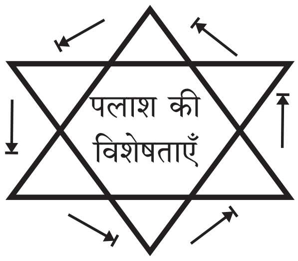

कृति 36. पाठ में प्रयुक्त कहावत लिखिए :–

कृति 37. पलाश के संवर्धन में आपकी भूमिका लगभग 8 से 10 से वाक्यों में लिखिए :–

7. कूर्मांचल में कुछ दिन

कृति 38. संजाल पूर्ण कीजिए :–

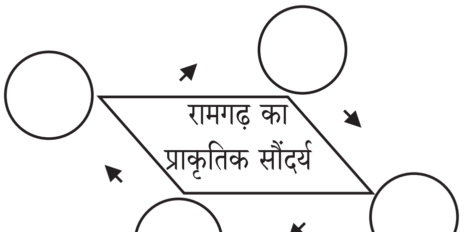

कृति 39. पहाड़ी भाषा में प्रचलित 'जुहो' शब्द का अर्थ है :–

'भोल जाला' शब्द से तात्पर्य है –

कृति 40. पाठ में प्रयुक्त दो विरामचिह्न लिखिए :-

i) ____________ ii) ____________

कृति 41. पाठ में उल्लेखित महान व्यक्तियों के नाम लिखिए :-

कृति 42. आपने अनुभव किए हुए किसी प्राकृतिक दृश्य को लगभग 8 से 10 वाक्यों में लिखिए :-

8. राजा हरिश्चंद्र के आँसू

कृति 43. आकृति पूर्ण कीजिए :-

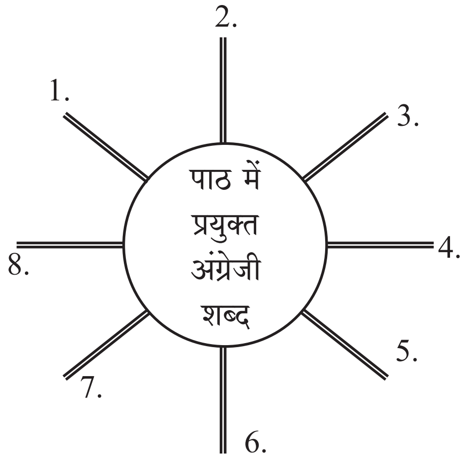

कृति 44. अंको पर मुहावरे गढ़े गए हैं :-

जैसे - नौ दो ग्यारह होना ।

वैसे - i) ....

ii) ....

कृति 45. पाठ में 'पद' शब्द का प्रयोग किया गया है । आशया नुसार उनका अर्थ बदलता है ।

'पद' शब्द के दो अर्थ लिखिए ।

कृति 46. विलोम शब्द लिखिए :-

i. शुद्ध x ii. ताजा x

कृति 47. रिक्त स्थान में एक ही शब्द भरकर वाक्य पूर्ण कीजिए :-

एक................पहले की बात है, दूधवाले ने .... नहीं दिया था ।

कृति 48. ‘भ्रष्टाचार’ को रोकने के लिए आपके सुझाव लगभग 8 से 10 वाक्यों में लिखिए :-

9. अंधेर नगरी

कृति 49. संजाल पूर्ण कीजिए :-

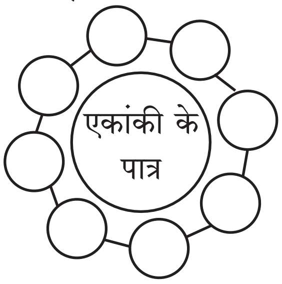

कृति 50. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए :-

i) सब्जी बेचने वाली -

ii) बकरी पालने वाला -

iii) मिठाई बेचने वाला -

iv) फरियाद करने वाला -

कृति 51. नगरी के बारे में प्रयुक्त विशेषण :-

कृति 52. दो मिठाईयों के नाम

1.

2.

कृति 53. अधूरी पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए :-

अंधेर नगरी...............

.... टके सेर खाजा ।

कृति 54. पाठ द्वारा प्राप्त संदेश लगभग 8 से 10 वाक्यों में लिखिए :-

10. साहब फिर कब आएँगे माँ

कृति 55. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर जानकारी पूर्ण कीजिए :-

(दो, माँजने, गोल्डन गेट, शिखर, तराई, तीन)

मंगली पहाड़ की .... पर बसी झोपड़पट्‌टी में रहती थी । मंगली के ..... बेटे और एक बेटी थी । मंगली होटल .... में बर्तन .... का काम करती थी ।

कृति 56. विधानों का वर्गीकरण सत्य /असत्य के अनुसार कीजिए :-

i) होटल गोल्डन गेट में प्रधानमंत्री आए थे ।

ii) मंगली ने सरसो का साग और मक्के की रोटी बनाई ।

iii) मंगली द्‌वारा बनाए व्यंजन साहब को बहुत पसंद आए ।

iv) कलेक्टर ऑफीस से मॅनेजर के लिए फोन आया था ।

कृति 57. पाठ में प्रयुक्त अंग्रेजी शब्द लिखिए :- (कम से कम चार शब्द लिखना अपेक्षित)

कृति 58. मंगली की कहानी पढ़कर संवेदनशील होने के दो कारण लिखिए :-

कृति 59. समाज में आर्थिक विषमता दिखाई देने के कारणों को लगभग 8 से 10 वाक्यों में लिखिए :-

11. संपन्नता

कृति 60. संजाल पूर्ण कीजिए :-

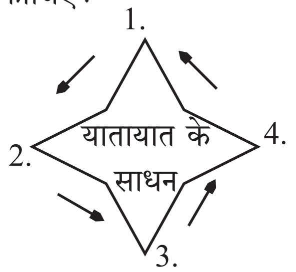

कृति 61. कहानी पढ़कर विनायक बाबू का परिवार और बड़े साहब का परिवार इनकी तुलना कीजिए :-

कृति 62. 'जन्मदिवस' शब्द के लिए पाठ में प्रयुक्त दो शब्द लिखिए :-

कृति 63. जैसे - पक्षियों के रहने के लिए बनाया स्थान - दड़बा

वैसेही - गाय-बैलों के रहने के लिए बनाया स्थान -

घोड़ों के रहने के लिए बनाया स्थान -

कृति 64. पाठ में प्रयुक्त शब्दों के लिए समान अर्थ के शब्द लिखिए :-

i. जिस्म = ii. सुर्ख =

कृति 65. आकृति पूर्ण कीजिए :-

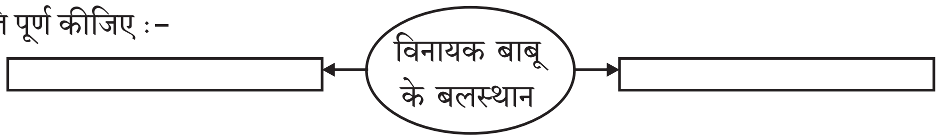

12. सफलता की चुनौतियाँ

कृति 66. संजाल पूर्ण कीजिए :-

1.

2. प्रीति की रूचियाँ 4.

3.

कृति 67. उत्तर लिखिए :-

प्रीति के प्रेरणास्थान :-

कृति 68. कोष्ठक में दिए गए शब्दों को रिक्त स्थानों में भरकर वाक्य पूर्ण कीजिए :-

(असफलताएँ, अलजबरा, दृष्टिहीन)

i. मैं पूरी तरह .... हो चुकी थी ।

ii. .... हमें उठाने के लिए है ।

iii. .... मेरे लिए चुनौती था ।

कृति 69. पाठ में प्रयुक्त कवि इकबाल की प्रेरणादायक पंक्तियाँ :-

कृति 70. सफलता के बारे में प्रीति के विचार लिखिए :-

कृति 71. लिंग परिवर्तन कीजिए :-

i. माता जी ii. अध्यापक

कृति 72. वचन पहचानिए :-

i. साक्षात्कारकर्ता ii. चुनौतियाँ

कृति 73. प्रस्तुत पाठ पढ़कर मिलने वाली प्रेरणाओं को लगभग 8 से 10 वाक्यों में शब्दबद्ध कीजिए :-

विभाग 2 – पद्य

1. कबीर के दोहे

कृति 1. उत्तर लिखिए :–

i) दोहा शब्द से तात्पर्य हैं कि –

ii) दूसरे दोहे द्‌वारा प्राप्त संदेश –

कृति 2. एक शब्द में उत्तर लिखिए :–

i) कबीर ने अंध इन्हें कहा है –

ii) दान देने से यह घटता नहीं –

कृति 3. कविता में लय–संगीत निर्माण करने वाले शब्द आते हैं :–

जैसे; समाए – जाए –

ऐसीही दो शब्द जोड़ियाँ लिखिए ।

कृति 4. तीसरे दोहे का भावार्थ लिखिए :–

2. सूरदास के पद

कृति 5. रिश्तें लिखकर संजाल पूर्ण कीजिए :–

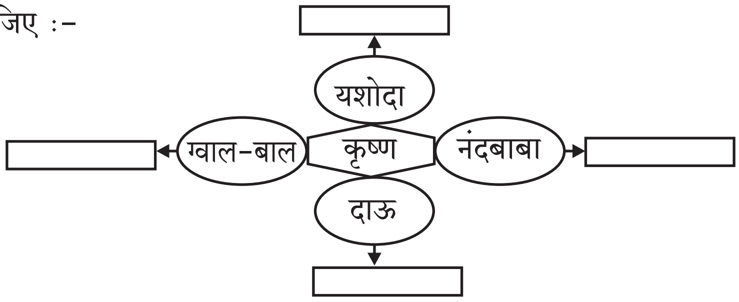

कृति 6. शब्द और अर्थों के जोड़ लगाइए :–

शब्द	उत्तर	अर्थ
i) झंगुली		दुल्हन
ii) दुल्हैया		कुरता

कृति 7. कविता में प्रयुक्त शरीर के दो अंगों के नाम लिखिए :–

i) ii)

कृति 8. आकृति पूर्ण कीजिए :-

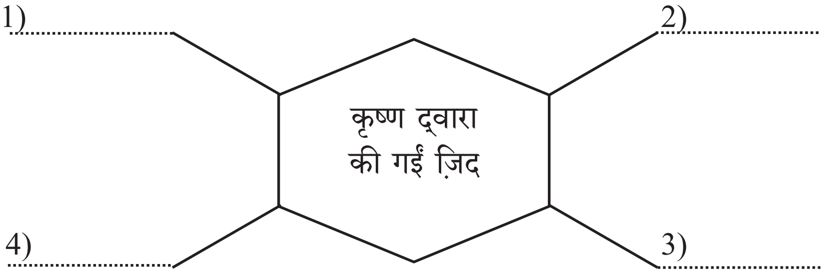

कृति 9. अक्षरों का उचित क्रम लगा कर समानार्थी शब्द लिखिए :-

किवार → (र) (जा) (वा) (द)

सौंह → (गं) (सौ) (ध)

कृति 10. मानक हिंदी भाषानुसार कविता में प्रयुक्त क्रियाओं का अर्थ लिखिए :-

जैंसे - न करि हौं = नहीं करुँगा ।

वैसे- न लैहौं । =

नाहिं सुनैहौं । =

कृति 11. हिंदी भाषा में ऐसे मुहावरें गढ़े गए हैं जो शरीर के अंगो पर प्रचलित हैं :-

जैसे - आँख = आँखों में धूल झोंकना ।

वैसे - सिर =

कान =

कृति 12. प्रथम पद का भावार्थ लिखिए :-

3. रहीम के दोहे

कृति 13. संजाल पूर्ण कीजिए :-

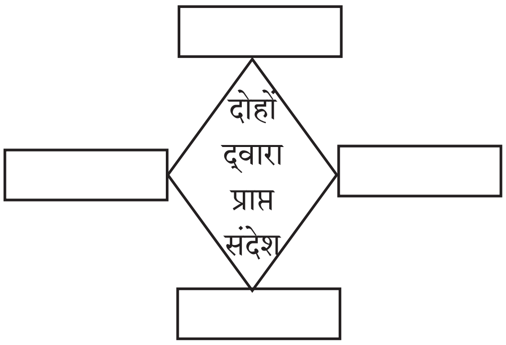

कृति 14. बोलियाँ लिखिए :–

जैंसे – कुत्ता – भौंकना

वैसे – मेंढक –

हाथी –

कोयल –

चिड़ियाँ –

कृति 15. सारिणी (तालिका) की सहायता से समान अर्थ के शब्द ढूँढकर लिखिए :–

में	फा	व
य	व	भू
मि	क्त	दा
ढ़	य	X
षा	X	क

धरती =

दादूर =

समय =

पावस =

लाभ =

कृति 16. उत्तर लिखिए :–

जैसे – कुल की वधू – कुलवधू

वैसे कुल का पुत्र –

कुल का भूषण –

कृति 17. पहले दोहे का भावार्थ लिखिए :–

4. खग उड़ते रहना

कृति 18. कविता में पुनरुक्ति होनेवाली पंक्ति लिखिए :–

कृति 19. 'तेरे अपने ही तेरा मजाक उड़ाएँगे' इस अर्थ की कविता में प्रयुक्त पंक्ति लिखिए :–

कृति 20. रिक्त स्थान में सहीं शब्द का प्रयोग कीजिए :–

क्षण में यह .... मिट जाएगा । (अरिदल / अरिहल / अरिवल)

कृति 21. 'खग उड़तें रहना' कविता द्वारा प्राप्त होने वाला संदेश लिखिए :–

5. जीवन का झरना

कृति 22. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए :–

i. मन की बातें मानने वाला

ii. नाव चलाने वाला

iii. बुरे दिन

iv. जिसकी सतह बराबर है

कृति 23. झरने की चार विशेषताएँ लिखिए :-

कृति 24. शब्दों का अर्थ जानकर आकार के अनुसार उनका उचित क्रम हो सकता है :-
चट्टान, कंकर, पत्थर

कृति 25. झरना और मनुष्यजीवन तुलना कीजिए :-

6. जनगीत

कृति 26. कोष्ठक में दिए गए उचित शब्दों को चुनकर पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए :-
(अभिन्न, विभिन्न, विधान, विहान)
i. हम .... हो रहे विनाश में,
ii. नवयुग का अब नया .... हो ।

कृति 27. कविता की पंक्तियों का उचित क्रम लगाकर लिखिए :-
अ) लोककर्म में महान सब लगें,
ब) शुद्ध स्वार्थ कामनींद से जगें,
क) रक्त में उफान हो, उठान हो !

कृति 28. संजाल पूर्ण कीजिए :-

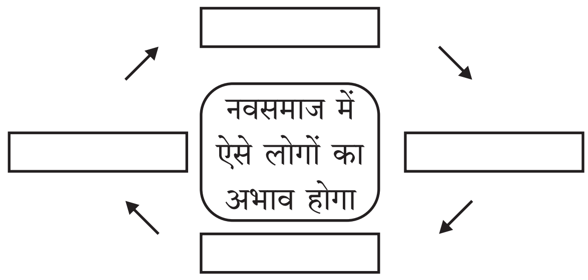

कृति 29. कविता में प्रयुक्त विशेषण लिखिए :-

कृति 30. रचना शब्द के आगे 'कार' शब्द लगाकर रचनाकार शब्द बनता है । इसी तरह :-
i. चित्र ii. कला

कृति 31. कविता के अंतिम चरण का भावार्थ लिखिए :-

7. थाम लो सँभालकर

कृति 32. उत्तर लिखिए :-

बालकों की विशेषताएँ -

कृति 33. संजाल पूर्ण कीजिए :-

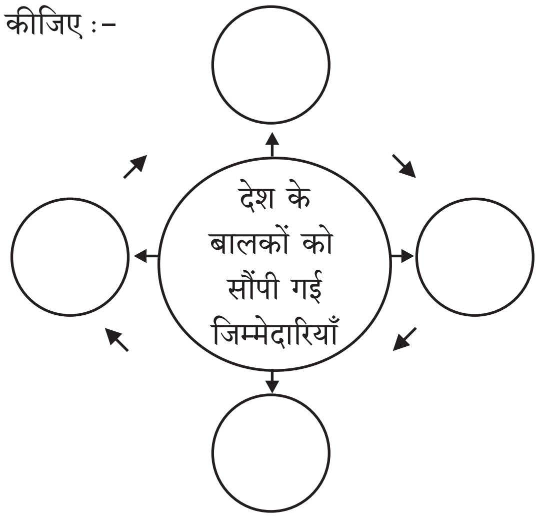

कृति 34. कविता में प्रयुक्त विशेषण और संज्ञाओं की जोड़ियाँ लिखिए :-

	विशेषण	संज्ञा
जैसे -	खून से रंगा	गुलाब
वैसे -	i.	
	ii.	

कृति 35. पंक्तियों का भावार्थ सरल हिंदी में लिखिए :-

अंधकार का गरूर आन-बान तोड़ दो,
बालको, भविष्य के लिए मिसाल छोड़ दो,
दो नई-नई दिशा वर्तमान काल को ।

8. मत कहो, आकाश में कुहरा घना है

कृति 36. उचित विकल्प के सामने ✓ चिह्न का प्रयोग कीजिए :-

गज़ल यह एक शब्द प्रकार है ।
गीत प्रकार है ।
कथा प्रकार है ।

कृति 37. सड़क शब्द के लिए दो समानार्थी शब्द हो सकते हैं :–

कृति 38. एक शब्द में लिखिए :–

समस्याओं का समाधान न मिलने के कारण जनता के आक्रोश को नेता लोग यह कहकर टाल देते हैं ।

कृति 39. आकृति पूर्ण कीजिए :–

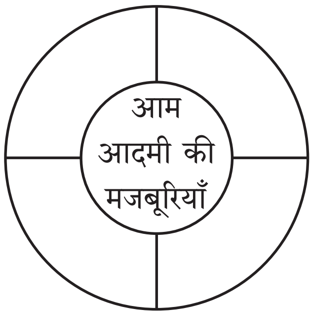

कृति 40. खून शब्द के प्रयोग से खून खौलना मुहावरा बन गया है । इसीप्रकार दम शब्द से बना एक मुहावरा लिखिए :–

कृति 41. भावार्थ लिखिए :–

इस सड़क पर इस कदर कीचड़ बिछा है,
हर किसी का पाँव घुटनों तक सना है ।

9. मेघ आए

कृति 42. संजाल पूर्ण कीजिए :–

कृति 43. कविता की पंक्तियाँ पढ़कर ऐसा प्रश्न तैयार कीजिए जिनका उत्तर उसी पंक्ति में हो :-

i. मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के ।

ii. गाँठ खुल गईं अब भरम की ।

कृति 44. कविता में वर्णित अतिथि के आगमन पर किए गए जाने वाले रीति-रिवाजों को लिखिए :-

कृति 45. उत्तर लिखिए :-

प्राकृतिक जलस्त्रोत

कृति 46. बारीश कम होने के कारण लिखिए :-

कृति 47. यथास्थान विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य लिखिए :-

बाँकी चितवन उठा नदी ठिठकी घूँघट सरके

कृति 48. भावार्थ लिखिए :-

क्षितिज अटारी गहराई दामिनी दमकी,
'क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की',
बाँध टूटा झर-झर मिलन के अश्रु ढरके ।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के ।

विभाग 3 – पूरक पठन

1. बीमारी अपनी–अपनी

कृति 1. संजाल पूर्ण कीजिए :–

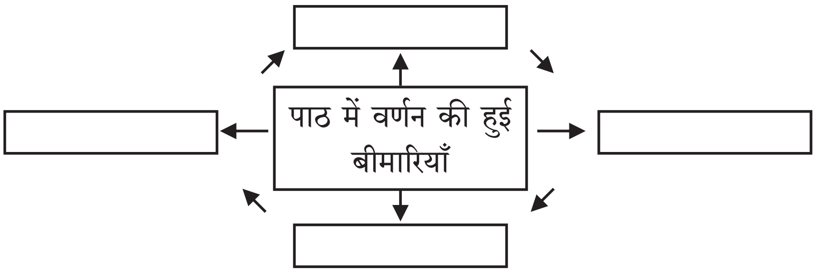

कृति 2. पाठ में प्रयुक्त अंग्रेजी शब्दों की सूची बनाकर लिखिए :–

अंग्रेजी शब्द
i.
ii.
iii.
iv.

कृति 3. लेखन में समानता होने पर भी शब्दों का अर्थ बदल जाता है :–

जैसे – राहूल एक घंटा बैठा रहा और घंटा बजते ही चला गया ।

वैसे ही निम्नलिखित शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

पर –

कल –

बाल –

कृति 4. पाठ का उद्देश लगभग 6 से 8 वाक्यों में लिखिए :–

2. संस्मरण – गंगा बाबू हैं कौन ?

कृति 5. आकृति पूर्ण कीजिए :-

कृति 6. निम्नलिखित वर्णन पढ़कर व्यक्ति का नाम उसके सामने लिखिए :-

वर्णन	व्यक्ति
i. स्याह चेहरा, टेढी मुस्कान, लंबा-सा, रहस्यमयी मुस्कान –	
ii. बूटा-सा कद, सरल वेशभूषा हिंदी का सच्चा सफल सेनानी –	

कृति 7. गंगाबाबू द्‌वारा लेखिका शिवानी को सफल संस्मरण के लिए दिए गए सुझाव लिखिए :-

कृति 8. घटनानुसार उचित क्रम लिखिए :-

लेखिका का अतिथिशाला पहुँचना ।

लेखिका द्‌वारा आमंत्रण स्वीकारना ।

राम – राम करते रात कटना ।

माली के द्‌वारा हिदायते देना ।

कृति 9. गंगाबाबू है कौन ? संस्मरण पढ़कर गंगाबाबू के बारे में आपके मन में आए हुए विचारों को लगभग 6 से 8 वाक्यों मे लिखिए :-

3. तुलसी का बिरवा

कृति 10. संजाल पूर्ण कीजिए :-

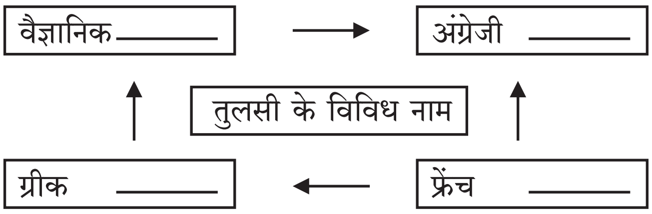

कृति 11. उत्तर लिखिए :-

तुलसी के उपयोग -

कृति 12. तुलसी का बिरवा पाए जाने वाले स्थानों की सूची लिखिए :-

कृति 13. तुलसी के धार्मिक और सामाजिक महत्त्व के बारें में आपके विचार लगभग 8 से 10 वाक्यों लिखिए :-

4. 'थिंफू : भूटान की वर्तमान राजधानी'

कृति 14. चार प्रश्नों का उत्तर केवल एक ही शब्द है, लिखिए :-

i. थिंफू शहर जिसकी राजधानी है ।

ii. गुलत्रम और छेलत्रम जिसका चलन है ।

iii. प्राकृतिक संपन्नता से परिपूर्ण है ।

iv. केवल भारत का दूतावास जहाँ हैं ।

कृति 15. विधानों को सही करके लिखिए :-

i. थिंफू का राज्य-संचालन थिंफू के झाँग से किया जाता है ।

ii. भूटान नरेश क्रिकेट के खिलाड़ी थे ।

कृति 16. पाठ पढ़ने के बाद भूटान और थिंफू संबंधी प्राप्त जानकारी लगभग 6 से 8 वाक्यों लिखिए :-

5. साहसी बालक

कृति 17. धनंजय के लिए प्रयुक्त विशेषण लिखिए :-

कृति 18. चारू और चिन्मय से हमें मिलने वाली प्रेरणा :-

कृति 19. गलत शब्द हटाकर पूर्ण वाक्य लिखिए :-

राष्ट्रीय बालवीर पुरस्कार में इनका समावेश होता है ।

i. रजत - पदक ii. सुवर्ण - पदक

iii. प्रशस्तिपत्र iv. नकद पुरस्कार

कृति 20. उचित जोड़ लगाइए :-

ईश्वरचंद्र विद्‌यासागर	कर्तव्यनिष्ठा
पंडित गंगाधर शास्त्री	जनसेवा
आचार्य महावीर प्रसाद जी	सेवाव्रती
स्वामी विवेकानंद	स्वाभिमानी

कृति 21. उत्तर लिखिए :-

जिन महापुरुषों के प्रेरक प्रसंग प्रस्तुत किए हैं उनके नाम लिखिए ।

कृति 22. प्रेरक प्रसंगों से प्राप्त हुई सीख लिखिए :-

6. टेसी थॉमस

कृति 23. किसी एक श्रेष्ठ महिला का नाम लिखिए :-

कृति 24. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर केवल एक ही शब्द है :-

i. विज्ञान के प्रति विशेष प्रेम रखने वाली

ii. मिसाइल क्षेत्र की ओर आकर्षित होने वाली

iii. अग्नि -V - मिसाइल लाँच की प्रोजेक्ट डायरेक्टर

कृति 25. सही कारण चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए :-

अलप्पुझा शहर पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनने का कारण -

i. वहाँ प्राकृतिक सौंदर्य के साथ अप्रवाही जल पर तैरते शिकारे देखने में आनंद मिलता है ।

ii. वहाँ प्राकृतिक सौंदर्य के साथ घुमने में आनंद मिलता है ।

iii. वहाँ सेहद अच्छी रहती है ।

कृति 26. महाराष्ट्र राज्य के दो पर्यटन स्थलों के नाम लिखिए :-

कृति 27. गुगल द्‌वारा देश के खेल-खिलाड़ी में से किसी एक की जानकारी प्राप्त कीजिए :-

कृति 28. टेसी थॉमस संबंधी आपके विचार लगभग 8 से 10 वाक्यों लिखिए :-

विभाग 4 – व्याकरण

सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

1) i) **निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए :–**

मधुर, संस्मरण, सार्वजनिक

ii) **अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए :–**

i) उसे <u>कोई</u> पुकार रहा था।

ii) पंछी आसमान में <u>उड़ रहे</u> थे ।

iii) गांधीजी ने <u>कार्यकर्ता</u> को सलाह दी ।

2) i) **निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए :–**

i) मैनेजर से हिदायत दि गया।

ii) क्रोध से उसकी नेत्र लाल हो गई ।

iii) उन्होंने कबूतरबाजी की मैच देखी ।

3) i) **सहायक क्रिया का वाक्य में प्रयोग कीजिए :–**

पड़ना– जाना – देना –

ii) **सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए :–**

i) वह बहुत निराश होकर रोने लगा ।

ii) आप मेरी बात समझ सकी ।

iii) हमेशा सहीं कार्य करतें चलो ।

4) **प्रेरणार्थक क्रिया के रुप लिखिए :–**

	क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक
i)	मानना		
ii)	गुँथना		
iii)	लेटना		

अथवा

प्रेरणार्थक रुप छाँटकर लिखिए :–

i) मंगली को सारा सामान मुहैय्या करवाया गया

ii) सिपाही गोवर्धन दास को फाँसी दिलाना चाहते थे ।

iii) अभिनेत्री किताब पढ़ना नहीं जानती थी ।

5) i) **अव्ययों का वाक्य में प्रयोग कीजिए :-**

के लिए, अच्छा, लेकिन

ii) **अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए :-**

i) हाँ, तुम गलत काम करते हो ।

ii) इन लोगों के बीच हूँ मैं ।

iii) पर यह तो बताइए कि यह पुस्तक आपने किससे लिखवाई ।

6) **कालपरिवर्तन किजिए :-**

i) बहुत से नेता आए । (अपूर्ण वर्तमानकाल)

ii) वह हिमालय को खोज रहा है । (सामान्य वर्तमानकाल)

iii) वे तोलकर बोलते थे । (सामान्य भूतकाल)

7) i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए :-**

i) सिहर जाना ।

ii) मुँह फेरना ।

iii) नाक - भौं-सिकुड़ना ।

ii) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए :-**

(मोल लेना, कानों में गूँजना, खिलखिलाकर हँसना, चैन की साँस लेना, रटते रहना)

i) मामाजी को आते देखकर छोटी राधा अत्यंत प्रसन्नता से हँसने लगी ।

ii) प्रदर्शनी की वस्तूएँ अच्छे दाम देकर खरीद ली गई ।

iii) कार्य की पूर्तता होने के कारण मोहन ने राहत की साँस ली ।

ii) **मुहावरें और अर्थों के जोड़ लगाइए :-**

मुहावरें	अर्थ
i. खटका लगा रहना ।	तीव्र इच्छा निर्माण होना ।
ii. भाँप जाना ।	भय बना रहना ।
iii. मन में लालसा उठना ।	अंदाजा लगा लेना ।

विभाग 5 – रचना विभाग

1) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए :–

'नाशिक में राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता आयोजित'

महात्मा गांधी रोड, महात्मा गांधी विद्‌यालय से, दिलीप / दिपा चौधरी, कक्षा दसवीं अ, उपस्थिति क्र. 21, प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए अपने प्रधानाध्यापक को पत्र लिखकर चार दिन की छुट्‌टी मंजूर करने के लिए आवदेन पत्र लिखता / लिखती है ।

अथवा

मिथिल / मिथिला शिंदे, छात्र प्रतिनिधि, प्रबोधिनी विद्‌यालय, जयसिंगपुर से व्यवस्थापक, क्वालिटी स्पोर्टस, टिळक रोड, पुणे को पत्र लिखकर सूचीनुसार क्रीडा साहित्य न पहुँचने के संदर्भ में शिकायत पत्र लिखता / लिखती है ।

2) कहानी लेखन

i) **निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए।**

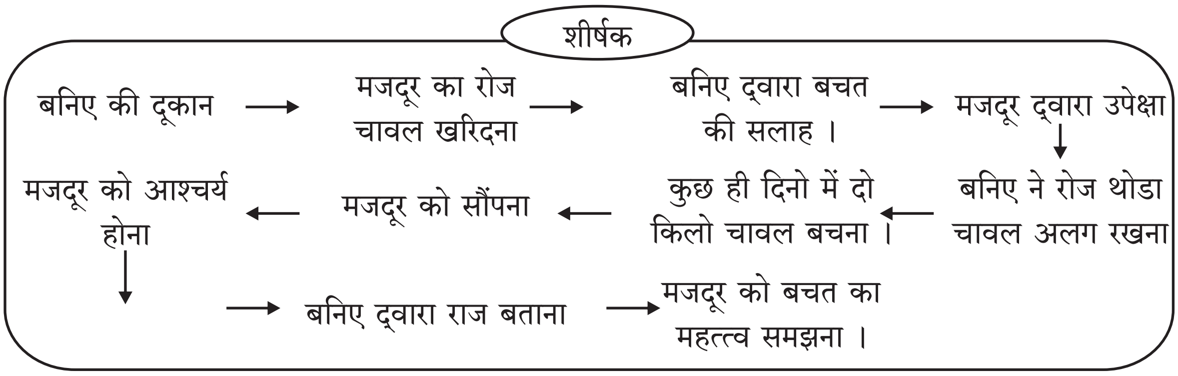

ii) **निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर कहानी लिखिए तथा उसे उचित शीर्षक दीजिए ।**

अदालत में अवकाश के समय वकीलों का विश्राम कक्ष में बैठना । – एक मासूम बालक द्‌वारा भीख माँगना – एक वकील ने उसे बुलाकर भीख माँगने का कारण पूछना । बीमार माँ के इलाज के लिए वकिलों द्‌वारा बच्चे को बुट–पॉलिश का सामान देना – वकिलों से उसकी सच्ची सहायता करना । –

3) निम्नलिखित गद्‌यांश पढ़कर पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर केवल एक वाक्य में हो ।

i) संसार में तीन बातें बड़ी महत्त्वपूर्ण हैं । इनको प्राप्त कर तुम संसार के किसी भी कोने में जाओगे तो अपना निर्वाह कर सकोगे । ये तीन बातें हैं – अपनी आत्मा का, अपने आप का और ईश्‍वर का सच्चा ज्ञान प्राप्त करना । इसका मतबल यह नहीं कि तुम्हें अक्षर ज्ञान नहीं मिलेगा । वह तो मिलेगा ही । लेकिन तुम उसी की चिंता करो, यह मैं नहीं चाहता । इसके लिए तुम्हारे पास अभी बहुत समय है । अक्षर ज्ञान इसलिए होता है कि जो कुछ तुम्हें मिला हैं, उसे तुम दूसरों को दे सको । इतना याद रखना कि अब हमें गरीबी में रहना है । जितना अधिक विचार मैं करता हूँ, उतना ही अधिक मुझे लगता है कि, गरीबी में ही सुख है । अमीरी की तुलना में गरीबी अधिक सुखद है।

ii) वार्तालाप की शिष्टता मनुष्य को आदर का भाजन बनाती है और समाज में उसकी सफलता के लिए रास्ता साफ कर देती है । मनुष्य का समाज पर जो प्रभाव पड़ता है, वह बहुत अंश में उसकी पोशाक और चाल-ढाल पर निर्भर रहता है, किंतु विषभरे कनकघटों की संसार में कमी नहीं है । यह प्रभाव ऊपरी होता है और पोशाक का मान जब तक भाषण से पुष्ट नहीं होता है, तब तक स्थायी नहीं होता । मधुर भाषी के लिए करनी और कथनी का साम्य आवश्यक है, किंतु कर्म के लिए वचन पहली सीढ़ी है । मधुर वचन ही विश्वास उत्पन्न कर भय और आंतक का परिमार्जन कर देते हैं । कटु भाषी लोगों से लोग हृदय खोलकर बात करने से डरते हैं । सामाजिक व्यवहार के लिए विचारों का आदान-प्रदान आवश्यक है और वह भाषा की शिष्टता और स्पष्टता के बिना प्राप्त नहीं होता । भाषा की सार्थकता इसी में है कि वह दूसरों पर यथेष्ट प्रभाव डाल सके ।

प्र. **6**

1) **प्रसंग लेखन**

i) रेल्वे स्टेशन पर मैं टिकट की लंबी कतार में खड़ा था – अचानक एक आदमी आया – उसने रूपयों की माँग करके मुझे कहा मैं आपको टिकट दिलवाता हूँ – मैं हताश, अवाक होकर उसकी तरफ देख रहा था – उसने मुझे टिकट दिखाए । – – – –

ii) उस दिन मैं मेरे मित्रों के साथ घुमने गया था । अचानक एक वृद्ध व्यक्ति चक्कर खाकर गिर पड़ा । – .....

2) **विज्ञापन लेखन**

i) स्वास्थ्यवर्धक पेय –

ii) आयोजित व्याख्यानमाला –

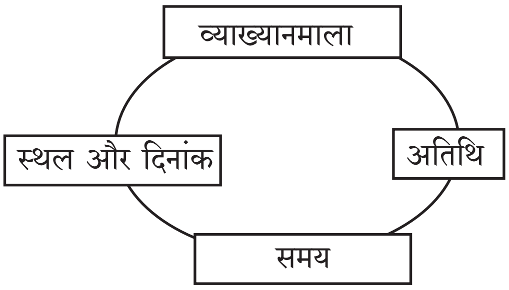

3) **स्वमत**

i) छुट्टियों में अपने शहर का ऐतिहासिक स्थल देखने गया था । वहाँ की अस्वच्छता और दुरावस्था देखकर मेरे मन में विचार आए :- ....

ii) एक दिन मैं घुमने गया था । मैंने देखा 3-4 वर्ष का बच्चा अपनी माँ से बर्गर खाने की ज़िद कर रहा था । और रो रहा था । माँ उसे मना कर रही थी और समझा रही थी । लेकिन वह बच्चा मान नहीं रहा था । ये देखकर मेरे मन में विचार आए :-..........

4) **निबंध लेखन**

i) यदि मोबाईल न होता....

ii) पेड़ की आत्मकथा ।

iii) अंधश्रद्धा - एक अभिशाप ।

iv) मेरा देश महान ।

1-क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :– **8**

1) संजाल पूर्ण कीजिए । (2)

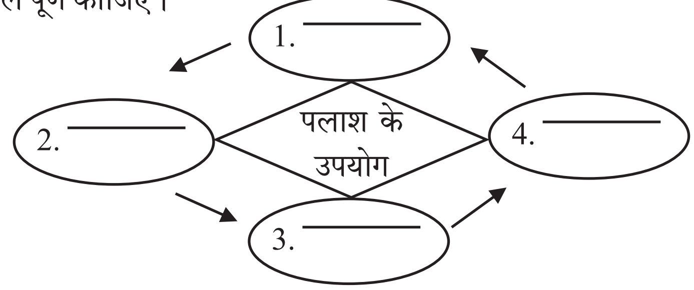

इस बहूपयोगी वृक्ष के विभिन्न अंगों का उपयोग औषधि निर्माण के साथ ही अन्य कार्यों में भी किया जाता है । पलाश की लकड़ी से छोटे-छोटे तख्ते, कुएँ के चाक तथा इसी प्रकार की वस्तुएँ तैयार की जाती हैं। इसका तना बेडौल होता है । अतः इसका बड़े कामों में उपयोग नहीं किया जाता । पलाश की लकड़ी जलाने के लिए बहुत अच्छी मानी जाती है । इसका कोयला शीघ्र आग पकड़ लेता है । इसका उपयोग गनपावडर के रूप में किया जाता है ।

पलाश के फूल पानी में घुलकर केसरिया रंग देते हैं । इसके लिए इसके फूलों को रातभर पानी में भिगोकर अगले दिन उबालकर छान लेते हैं और इसमें रासायनिक पदार्थ नहीं होते । अतः यह त्वचा को कोई हानि नहीं पहुँचाता । आदिवासी अंचलों में आज भी होली के समय पलाश के फूलों से तैयार किए गए रंग से ही होली खेली जाती है ।

2) i) उचित शब्द भरकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । (1)

(केसरियाँ, बहूपयोगी, अन्य उपयोगी, लाल)

पलाश एक .... वृक्ष है ।

पलाश के फूलों से .... रंग बनता है ।

ii) कारण लिखिए :– (1)

पलाश के कोयले का गनपावडर के रुप में उपयोग करना ।

होली खेलने के लिए पलाश के फूलों से रंग बनाना ।

3) i) वचन परिवर्तन कीजिए । (1)

फूल

वस्तु

ii) समानार्थी शब्द लिखिए । (1)

त्वचा

हानि

4) 'पलाश की बहुपयोगिता' के संदर्भ में आपके विचार लगभग 8 से 10 वाक्यों में लिखिए । (2)

1-ग) परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :- **4**

1) उत्तर लिखिए :-

i) स्वावलंबन से रहित व्यक्ति की दो विशेषताएँ :- (1)

ii) स्वावलंबी व्यक्ति की दो विशेषताएँ :- (1)

स्वावलंबन के गुण से रहित व्यक्ति सदा ही निम्न वर्ग में रहता है । उसकी चेष्टाओं का परिणाम कभी महत्त्वपूर्ण नहीं होता । स्वावलंबन से रहित व्यक्ति पहले तो किसी काम करने का बीड़ा ही नहीं उठाते और उठा भी लें तो बाधा आने पर काम को बीच से ही छोड़ देते हैं । इनमें महत्त्वाकांक्षा नहीं होती, ऊँचे उठने की, प्रथम आने की, औरों से विरला या सर्वोत्तम कहलाने की इच्छा ही नहीं होती । वे सदा परमुखापेक्षा बने रहतें हैं । जो व्यक्ति स्वावलंबी है, वह बारबार मन में दोहराता रहता है - मैं इस कार्य को कर सकता हूँ, मैं करूँगा, मैं इस कार्य को अवश्य पूर्ण करूँगा । ऐसे स्वावलंबी, आत्माभिमानी मनुष्य के सामने कोई बाधा नहीं ठहर सकती, कोई रुकावट नहीं टिक सकती । वह योजना बनाता, साधन जुटाता, उपाय सोचता, अंत में प्रत्येक कार्य में सफल होने लगता है । आज तक जितने भी मनुष्य महान बने है, वे स्वावलंबन के बल पर ही।

2) 'जीवन में स्वावलंबन का महत्त्व' के बारे में आपके विचार लगभग 6 से 8 वाक्यों में स्पष्ट कीजिए :- (2)

2) **पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–** **8**

1) संजाल पूर्ण कीजिए :– (2)

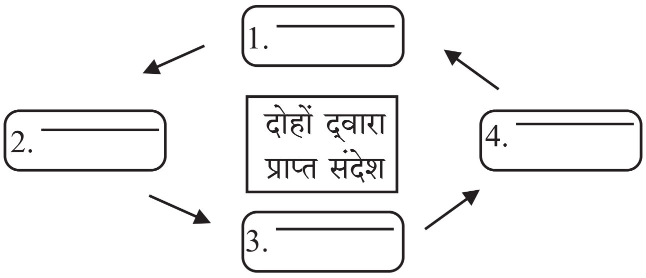

जैसी परै सो सहि रहै, कहि रहीम यह देह ।
धरती पर ही परत है, शीत, घाम और मेह ।।
धन थोरो इज्जत बड़ी, कह रहीम की बात ।
जैसे कुल की कुलबधू, चिथड़न मांह समात ।।
पावस देखि रहीम मन, कोइल साधे मौन ।
अब दादुर वक्ता भए, हमको पूछत कौन ।।
समय लाभ सम लाभ नहिं, समय चूक सम चूक ।
चतुरन चित रहिमन लगी, समय चूक की हूक ।।

2) उचित शब्द भरकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :– (2)

i) रहीम जी चाहते हैं धरती से हमें ..... सीखनी चाहिए ।

ii) ..... का उदाहरण देकर रहीम जी ने इज्जत का महत्त्व समझाया है ।

iii) रहीम के काव्य की भाषा .... है ।

iv) .... लाभ सर्वश्रेष्ठ लाभ है ।

3) i) पहेली की सहायता से समान अर्थ के शब्द ढूँढकर लिखिए :– (1)

में	फा	X
X	ढ़	X
X	X	दा
य	X	क

दादूर =
लाभ =

ii) लेखन में थोड़ा सा अंतर आने से शब्दों के अर्थ बदल जाते हैं :– (1)

जैसे, दिन = दिवस   दीन = गरीब

वैसे, माह =   मांह =

4) तीसरे दोहे का भावार्थ लिखिए :– (2)

3) पूरक पठन का परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

1) i) सही विकल्प चुनकर लिखिए :- (1)

थिंफू शहर ....

अ) साढ़े सात हजार फुट की ऊँचाई पर है ।

ब) साढ़े पाँच हजार फुट की ऊँचाई पर है ।

क) साढ़े आठ हजार फुट की ऊँचाई पर है ।

ii) थिंफू में ----- (1)

अ) गुलत्रम- छेलत्रम का प्रचलन है ।

ब) डॉलर का प्रचलन है ।

क) युरो का प्रचलन है ।

थिंफू भूटान की वर्तमान राजधानी का नगर है । यह साढ़े सात हजार फुट की ऊँचाई पर है । यह प्राकृतिक सुंदरता के दृष्टिकोण से काठमांडू या दार्जिलिंग से किसी भी माने में कम नहीं है । इस नगर के सारे मकान भूटानी प्रणाली के थे और सरल रेखा में खड़े थे । हर मकान को अनुक्रमांक दिया हुआ था । थिंफू की जनसंख्या केवल पचीस हजार है, जब कि पूरे भूटान की जनसंख्या सिर्फ सवा लाख है ।

थिंफू में एक बैंक है - बैंक ऑफ भूटान । उसकी कलापूर्ण इमारत देखते ही बनती है । उसकी साज-सज्जा किसी विलासी राजा के रंगमहल से कम नहीं है ।

'बँक ऑफ भूटान' से हमने भूटानी मुद्रा ले ली । उसे 'गुलत्रम' कहते हैं । उसका मूल्य हमारे एक रुपए के बराबर था । सौ 'छेलत्रम' का एक 'गुलत्रम' बनता है । विशेष बात यह कि भूटान में भारतीय मुद्रा का भी आम प्रचलन है । दोनों मुद्राओं का भूटान में प्रयोग किया जाता है । इससे भूटान जाते समय 'डॉलर' खरीदने का झंझट नहीं रहता ।

2) थिंफू के बारे में जानकारी लिखिए :- (2)

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व
उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे ४११ ००४.

विषय : हिंदी – (द्‌वितीय भाषा : पूर्ण) लोकभारती (कक्षा – दसवीं)
प्रती : २०००० । मुद्रक : समर्थ ऑफसेट, पुणे ४११०५२.